

१११

महेश्वर

१११

आशा शिवदास

2347

ASHA ARCHIVES



हृषीगणेशाय नमः ॥ ॥ मोहिनी उवाच ॥ ॐ अस्य श्रीवेताल
रिषीरनुसुयुन्दः ॥ श्रीवीरवेतालमोहिनीशक्तिसर्वार्थमैत्र
वाचासप्तद्विधैर्जप्यविनीयोगः ॥ ॥ शत्रुनास्तंभनार्थाय मि
त्रानामोहनं सदा ॥ इष्टानां वसता योन्ती वीरं सभायां वाचसि
दिदं ॥ १ ॥ नमस्ते पीतरूपाय वीरवेताल भैरवं ॥ ॥ माहावी
रवायुवेगकामदाकामदायनी ॥ मोहिनीमोहनदेही मय
मास्यसप्रिये ॥ २ ॥ माहाभैरवरूपाय नमः नासायैवे नमः
वस्यानावरूपकृत्वानी लम्भरोलम्भनायेव ॥ ३ ॥ अस्मत्तवे

रिविनासायै कालदृष्टे नमः ॥ लम्भनेसारोचैव ता
दनेमोहनं शदा ॥ ४ ॥ माहासङ्कटनासायै ज्ञानविज्ञान
मेव च ॥ कुरुशर्वमोहनार्थाय नतनायेवे नमः ॥ ५ ॥
भैरवाशनायनाथाय वीरवीरयेवे नमः ॥ पीतरूपा
यै देवायै वीरवेतालसे नमः ॥ ६ ॥ नमो त्रैलोक्यना
थायै नाथनाथायैवे नमः ॥ माहावायुवेगायै नृद
नाथायैवे नमः ॥ ७ ॥ दाकिनीशक्तिकामायै हं हं हं वी
रवीरके ॥ मँ मँ मँ मोहिनी वीरं वँ वँ वँ वाचवाचिकै

॥८॥ ईदं सोत्रं पठे नित्यं मे कश्चिन्न सिद्धिः ॥ मे कश्चि
 शतिसोत्रेन नित्यं नित्यं शदा पठेत् ॥ ६ ॥ सभायां वाच
 नसिद्धिः वायुतुलेशदा वचः ॥ गोव्यसिद्धिपुनर्गोप्य
 वाचवाचायेवाचिके ॥ १० ॥ ॐ हूं फट् वीरवेतालाये
 जिह्वेमाहावाचाये हूं फट् ॥ येस्मै कस्मै न दत्तव्यं गो
 पितं न प्रकाशयेत् ॥ ११ ॥ ॥ इति श्रीसभायां वाच
 सिद्धिमोहिनेनालसोत्रं समाप्तं ॥ ॥ शुभ ॥



ॐ करवेताकरिस्वाहा ॥ ॥ शजपयाये ॥ भोज
 पन्नसचोत्पं वेतासाधनाये ॥ जप ॥ १०००००
 १००००० ॥ थोमालथ्वजं न थवजसतये
 तोयेन सडधने पखिनघाय जनसंक
 सजुलो न्युनथोजं न पिकाये नूनवोये

के पशीऊ नूनवेतडाकितिशकीनीबोकसिममयां न
 यनास ॥ थ्वजं नयातामलसडधने जुलो शुभ
 ओं श्रीं हूं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं विरभट्टवेतालशत्रुनासस्वाहा ॥ ४ ॥ जगत्

हं ह्रीं श्रीं न्यग्निवेतालाये पादुकां पूजयामी नमः ३ नयानसी

ॐ हुं वे ताला ये म म रि पु ना य य २ स्वा हा ४॥ ज प

प्रत्यगिरायामूलमंत्रः॥ ॥ ॐ ह्रीं श्रीं स्वैरुं प्रत्यगिराय नमः॥
सिद्धिलक्ष्मी॥ ॥ ऐं ह्रीं श्रीं श्रीं श्रीं कीं सिद्धिलक्ष्मी नमः
ऐं ह्रीं श्रीं सिद्धिलक्ष्मी नमः॥ ऐं ह्रीं श्रीं श्रीं सिद्धिलक्ष्मी स्वरी नमः
ऐं ह्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं नमः॥ ॥

आर्य समाज

श्रीगणेशायनमः ॥ ॥ पादे श्री अनिरुद्ध एक तव दा पाठ ब्रज माथी या गा मैका
तय माव हुतर ह्मा स वै अने कै थी या सा पका फुल थी या कुनै स मये मा
पो दे का गो मै सी ले फुल कुल चाई दि दा ता को एव हु ते मा न्या क ठि न स मे
ले ॥ ॥ वा ॥ नाग आ कै व सि मे त ग मा वी क य दि न्या गो र सू वी व मा व नी जो
आ नो न ती पा ना स ने क न ले वै म नें न चा ऐ ग रि ॥ यो हु दान ग रि म हा स व
म य पा दे त ज्ञा न्या थी या च हो रि नी क ली ग या स नी हु रा सा य मा द हा
ली च त्या ॥ वा ॥ गु गु गा न दी का नि क र व नि ग या अ ह्ना कि द द्वा न यो
का मु ना की रु वै मा हा ता च हु रा रा घ्या द हि भु र म र् ॥ ॥ ना म्हा त

ग या उ से वि च म हा वा दा त ज ल जो थी यो चो रि धा न त या र च यो उ से
घ रि ना ग को म तो मे ग यो पो दे यो य नी आई म र्द भ हिले न न्या ज
क ले क न्यो या न्या यो का म य रे न जा नि उ स ते उ न र ॥ ॥ आ इ क ह्यो
॥ स त्प रा नी त भ ग्नी वा ली न ले यो ल नै त या रै म या हा मा पा ए व च इ
दे ह ते न न नी नार ले त व नी नी न्या वी त्या र का व रि मा न नु स र्प ह्म को के रि द्वा
दे उ त्प नं दा मा य नी ला धी ए व त न नी ती मो व व न र मा नु ला ॥ वा ॥ गु गं गा न दि
जो त या स प्र रि चार ज ल जो प नी क या मु ना की रु वै पा नि ल व क हा यो
क म हो डो न नी उ स दि सार दे वि क था पु ष्या त ज ग मा रे पी ना स रे म
ज हा वा ची दी नु त कु ल ले प्रा ते र सा मे मा हा उ ला इ री ग पी ना स को त त हु द

कैरिनुन्या जल यति नक्षिय स गति मन माये तं त्र मित ने क हा ॥ पी ना स्का
दे ह ह ह ॥

स्तोत्र ॥ १० ॥ स्वस्ति श्री स वे पि मा जो ग म हा द स क ल गु रा ग रि क्क राज मा रा सा म यि
स्वस्ति श्री स वे